Class 9th

पाठ १ **दो बैलों की कथा**

रचना और अभिव्यक्ति

१ हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही| हीरा मोती की प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें|

उत्तर- हीरा-मोती झूरी के घर में आराम से रह रहे थे| वे दोनों झूरी के खेतों का काम बड़ी मेहनत से करते थे और झूरी भी उनका बहुत देखभाल करता था| जब गया दोनों बैलों को अपने साथ ले गया तो वह बैलों का देखभाल ठीक से नहीं करता था| गया उन्हें डाँडो से मारता था और रूखा सूखा खाने को देता था| बैल इसे अपना अपमान समझकर भाग गए| वे अपने घर जा रहे थे कि सांड से हुए झगडे में रास्ता भटक गए| मटर खाने के चक्कर में उन्हें काजी हौस में बंद होना पड़ा| दीवार तोड़ने के आरोप में बैलों पर डंडे बरसाए गए|

इस प्रकार से दोनों के प्रति अनेक अत्याचार हुए परन्तु दोनों ने अत्याचार के खिलाफ आवाज़ उठाई|

शोषण को सहना और चुप रहना गलत है इसीलिए हीरा मोती ने भी शोषण को न सहते हुए विरोध किया|

२ क्या आपको लगता है कि ये कहानी आज़ादी कि लड़ाई कि ओर संकेत करती है?

उत्तर- इस कहानी ने लेखक ने हीरा-मोती को दुसरे पशुओं को आज़ादी दिलाने के लिए संघर्ष करते हुए या लड़ते हुए दिखाया है| हीरा-मोती गया के घर से रस्सी तोड़कर भाग जाते हैं| एक छोटी बच्ची हीरा-मोती पर दया करके आज़ाद कर देती है| कांजी हौस में कई पधुओं को आज़ाद कराते है| इस प्रकार से आज़ादी के लिए संघर्ष करते हुए दिखाया गया है|

भारत में स्वतंत्रता के लिए अनेक लड़ाई लड़ी गयी है| अतः आज़ादी के लिए संघर्ष करना और आज़ादी को प्राप्त करना एक लक्ष्य है जो इस कहानी के माध्यम से उभरकर आती है|

गृहकार्य

निम्न मुहँवारो का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिये

"गम खाना" ,"ईंट का जवाब पत्थर से", "दांतों पसीना आना", "बगलें झाकना", "नौ दो ग्यारह होना"